# अध्यक्ष का वक्तव्य

प्रिय शेयरधारकों,

*मुझे आपके समक्ष राजकोषीय वर्ष 2009-10 के दौरान आपके बैंक के परिणाम को प्रस्तुत करते हुए प्रसन्नता हो रही है।*

**आर्थिक एवं बैंकिंग परिदृश्य**

मैं आपके समक्ष उभरने वाले समष्टि आर्थिक परिदृश्य के साथ साझेदारी करना चाहता हूँ जिसका असर बैंकिंग उद्योग के निष्पादन पर पड़ा है।

वैश्विक अर्थव्यवस्था जितनी अपेक्षा थी उससे भी अधिक तेजी से उबर रही है परंतु अलग-अलग अर्थव्यवस्थाओं में इसकी गति भिन्न-भिन्न है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष के पूर्वानुमान के अनुसार वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में वर्ष 2009 के दौरान जो कमी (-0.6%) आई की उसे इस वर्ष 4.2% बढ़ने का तथा वर्ष 2011 के दौरान 4.3% बढ़ने का अनुमान है।

केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन (सीएसओ) अग्रिम आकलन के अनुसार भारत के समग्र सकल घरेलू उत्पाद में वर्ष 2009-10 के दौरान 7.2 से 7.5% तक वृद्धि होने की उम्मीद है जो वर्ष 2008-09 के 6.7% से अधिक है। देश के कई हिस्सों में कम बारिश होने के कारण कृषि उत्पादन में कमी आई और बेहतर वसूली न हो सका। आर्थिक गतिविधियों में गिरावट होने के कारण बैंक ऋणों की माँग में भी कमी आई। गिरावट का एक दूसरा असर ऋणों की गुणवत्ता पर भी पड़ा और बैंकिंग क्षेत्र में इसका असर बकाया राशियों में बढ़ोत्तरी और आस्तियाँ की पुन: संरचना के रूप में पड़ा।

समग्र रूप से देश का आर्थिक परिदृश्य आशा से ओत-प्रोत है जबकि वैश्विक अर्थव्यवस्था के उबरने की गति धीमी है और देश में मुद्रास्फीति भी है, फिर भी, सबकी राय यह है कि हमारा विकास तीव्र गति से होगा।

**वर्ष 2009-10 के दौरान बैंक का निष्पादन**

1. वैश्विक कारोबार के मामले में बैंक ने एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है और वर्ष 2009-10 दौरान कुल कारोबार रु. 2,08,476 करोड़ हो गया है, जिसमें जमाराशियाँ रु. 1,17,026 करोड़ और आग्रिम रु. 91,450 करोड़ हो गया है।
2. प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र अग्रिम के मामले में वर्ष 2009-10 के दौरान बैंक ने 19.55% की वृद्धि दर्ज कराई है जो समायोजित निवल बैंक ऋण का 45.88% है जबकि अधिदेशात्मक अपेक्षा 40% की ही है। कृषि को दिए जाने वाले ऋण में 22% की वृद्धि हुई है जो समायोजित निवल बैंक ऋण (ए.एन.बी.सी.) का 18.42% है जबकि अधिदेशात्मक अपेक्षा 18% की ही है।
3. कुल आय वर्ष 2008-09 के रु. 10,440 करोड़ से बढ़कर 2009-10 को रु. 11,215 करोड़ हो गई है।
4. बैंक का परिचालन लाभ वर्ष 2008-09 के रु. 1671 करोड़ की तुलना में 2009-10 को बढ़कर रु. 1,873 करोड़ हो गया है और उसमें 12% की वृद्धि दर्ज की गई है। निवल लाभ में वर्ष 2008-09 के रु. 913 करोड़ की तुलना में कमी हुई है और वह 2009-10 को रु. 813 करोड़ हो गई है और इसका कारण उच्चतर प्रावधानीकरण, कराधान तथा वेतन बकाया है।
5. प्रति शेयर बही मूल्य में सुधार हुआ है और वह पिछले वर्ष के रु. 95.98 से रु. 107.80 हो गया है।

निदेशक मंडल ने 31 मार्च 2010 को समाप्त वर्ष के लिए 30% के लाभांश का प्रस्ताव रखा है।

# CHAIRMAN'S STATEMENT

Dear Shareholders,

*I have pleasure in placing before you the results posted by your Bank for the fiscal year 2009-10.*

**ECONOMIC AND BANKING SCENARIO**

I would like to share with you the emerging macro-economic scenario which would have a bearing on the banking industry's performance.

The global recovery is proceeding better than expected, but in varying degrees in different economies. As per IMF's projection, Global GDP, which declined by (–0.6%) in 2009, is estimated to grow at 4.2% this year and at 4.3% in 2011.

The overall growth in India's GDP for 2009-10 is estimated to be in the range of 7.2 to 7.5%, up from 6.7% recorded in 2008-09 as per the advance estimates of Central Statistical Organization (CSO). The recovery could have been better but for lower agricultural output on account of deficit rainfall in many parts of the country. The slowdown in economic activity resulted in lower demand for bank credit. Another impact of the slow down was stress in the quality of credit due to which the banking sector witnessed rising levels of delinquencies and restructured assets.

Overall, the economic outlook for the country looks promising and while there may be concerns around the slow pace of global recovery and inflation at home, there is unanimity in the view that we are poised to grow at a faster pace.

**BANK'S PERFORMANCE DURING 2009-10**

1. Global Business crossed a new milestone and grew to Rs.2,08,476 crore in 2009-10 with deposits at Rs.1,17,026 crore and advances at Rs.91,450 crore.
2. Priority Sector Advances registered a growth of 19.55% during 2009-10 and constituted 45.88% to the Adjusted Net Bank Credit against the mandatory requirement of 40%. Credit to Agriculture increased by 22% and constituted 18.42% of Adjusted Net Bank Credit (ANBC) as against the mandatory requirement of 18%.
3. Total income rose to Rs.11,215 crore in 2009-10 from Rs.10,440 crore in 2008-09.
4. Operating Profit of the Bank grew by 12% to Rs.1,873 crore in 2009-10 up from Rs.1,671 crore in 2008-09. Net Profit however, declined to Rs.813 crore in 2009-10 from Rs.913 crore in 2008-09 due to higher provisioning for NPAs, taxation and wage arrears.
5. Book value per share improved to Rs.107.80 from Rs.95.98 last year.

The Board of Directors have proposed a dividend of 30% for the year ended 31st March 2010.

## बैंक की महत्त्वपूर्ण रणनीतिक पहल

बैंक ने देश भर में ई–स्टैम्प वेन्डिंग के लिए स्टॉक होल्डिंग कार्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

बैंक ने पेमेण्ट गेटवे सेवाएं नामक एक महत्त्वाकांक्षी परियोजना की शुरुआत की है जिसके तहत ग्राहक सेवाओं/उत्पादों की खरीद ऑनलाइन कर सकते हैं और इंटरनेट बैंकिंग के द्वारा अपने बैंक के खाते से भुगतान कर सकते हैं।

बैंक का प्रस्ताव अपने द्वारा प्रायोजित सभी 5 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की सभी 1,328 शाखाओं को सीबीएस के दायरे में लाना है ताकि परिचालन के मामले एकरूपता हो सके।

अपने 85वें परिचालन वर्ष के सिलसिले में बैंक ने 85 नई शाखाएं और विस्तार काउंटर खोले हैं और उनमें से ज्यादा टियर 3 से टियर 6 वाले केन्द्रों में तथा बैंक रहित जिलों में खोले गए हैं। बैंक ने बेहतर नियंत्रण और निगरानी के लिए 2 नये क्षेत्रीय कार्यालय नामत:, गुवाहाटी (असम) तथा मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) में खोले हैं। कुल शाखाओं की संख्या 2,308 है, जिनमें से एक शाखा लंदन में है। सभी देशी शाखाएं सीबीएस से जुड़ गई हैं।

विभिन्न उत्पादों और सेवाओं के कारण कई क्षेत्रों में बैंक की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता में अभिवृद्धि हुई है और प्राथमिकता क्षेत्र अग्रिमों के मामले में हम अग्रणी हैं।

## नैगम सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर)

बैंक अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों का निर्वाह भी पूर्ण रूप से कर रहा है। इसके लिए उसने कई लोकोपकारी कार्यों में जोरदार भागीदारी की है, नामत:, 'ऐला' साइक्लोन से पीड़ितों की मदद करके जिसमें पश्चिम बंगाल के कई द्विपीय गाँव बह गए थे, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक के बाढ़ पीड़ितों के लिए राहत उपाय किए गए। मुंबई की आतंकवादी घटना में हुए शहीदों को श्रद्धांजलि के रूप में दूरदर्शन कार्यक्रम को प्रायोजित करके, नेत्रहीन और शारीरिक दृष्टि से विकलांग बच्चों को कंप्यूटर/साफ्टवेयर प्रदान करके, गरीब ग्रामीणों के लिए कार्नियल ट्रांसप्लान्टेशन सर्जरी कैम्पों का आयोजन करके, ओल्ड एज होम की मदद, बाल कल्याण योजनाओं का प्रायोजन, विधवाओं को सिलाई मशीन प्रदान करना, शारीरिक रूप से विकलांगों को ट्राइसिकिल प्रदान करना, रूडसेटी के माध्यम से उद्यमिता विकास कार्यक्रमों का आयोजन और गाँवों में कृषि एक्सटेन्शन कार्यक्रमों का आयोजन जैसे कार्य शामिल हैं।

## अगली मंजिल

वर्ष 2010-11 के दौरान अल्प लागतवाली जमा, आस्ति की गुणवत्ता में सुधार, प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र और कमजोर वर्गों को ऋण, अनर्जक आस्तियों के स्तर को कम करना, शुल्क आधारित आय को बढ़ाना तथा हाउस कीपिंग को चुस्त–दुरुस्त करने जैसे महत्त्वपूर्ण कार्यों की तरफ पूर्ण रूप से ध्यान केन्द्रित करना है।

आपके बैंक ने वित्तीय समावेशन का चयन एक महत्त्वपूर्ण क्षेत्र के रूप में किया है और उसने इस उद्देश्य की प्राप्ति हेतु प्रौद्योगिकी आधारित शाखा रहित कारोबारी करेस्पांडेंट मॉडल को अंगीकार किया है। बैंक ने वित्तीय समावेशन के तहत मार्च 2012 तक 1,620 शाखाओं को लाने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक को एक योजना प्रस्तुत की है।

## BANK'S KEY STRATEGIC INITIATIVES

The Bank has signed a memorandum of Agreement with Stock Holding Corporation of India Ltd. for e-Stamp vending across the country.

The Bank has embarked upon an ambitious project of providing Payment Gateway services, whereby the customers can purchase products / services online and make payment from their accounts with the Bank, via Internet Banking.

The Bank proposes to bring all the 5 sponsored RRBs with 1,328 branches under CBS, which shall bring in uniformity in the functioning and ease of operations.

In its 85th year of operations, the Bank opened 85 new branches and Extension Counters, a good number of them in Tier 3 to Tier 6 centres and under-banked districts. The Bank also opened 2 new Regional Offices i.e. at Guwahati (Assam) and Moradabad (UP) for better control and monitoring. The total network of the branches stood at 2,308 branches including one branch at London. All the domestic branches are networked under CBS.

The Bank has built competencies in other areas as well by offering a range of products and services and by taking lead in Priority Sector Advances.

## CORPORATE SOCIAL RESPONSIBILITY (CSR)

The Bank has been fulfilling its social responsibilities by actively participating in activities aimed at taking up humanitarian causes like helping the victims of the cyclone 'AILA' that washed away several island villages in West Bengal, Relief measures for the flood-effected in AP and Karnataka, sponsoring a Doordarshan program to pay homage to the martyrs of terrorist attack in Mumbai, donating computers/software to visually and physically challenged children, sponsoring corneal transplantation surgery camps for the rural poor, helping old-age-homes, sponsoring child welfare schemes and donating sewing machines to widows and tricycles to physically challenged persons, conducting entrepreneurial development programmes through RUDSETIs and organizing agricultural extension programmes in villages.

## THE ROAD AHEAD

During the year 2010-11 the focus will be on increasing share of Low Cost Deposits, improvement in asset quality, lending to priority sector & weaker sections, reducing NPA level, increasing fee based income and improving housekeeping.

Your Bank has chosen Financial Inclusion as a thrust area and has adopted Technology based Business Correspondent Model of branchless banking to achieve the objective. The Bank has already submitted a plan to RBI to cover 1,620 villages under Financial Inclusion by March 2012.

बैंक के मानव संसाधन का दर्शन स्वीकरण के चिंतन पर आधारित है और वह प्रत्येक कर्मचारी की अंदरूनी संभाव्यताओं को प्रशिक्षण, ज्ञान को अद्यतन करके तथा कौशल को धारदार बनाकर उसे कार्य की आवश्यकताओं में हो रहे नित्यप्रति परिवर्तनों और गत्यात्मकता की दृष्टि से निखारकर सामर्थ्यवान बनाना है। नैतिक मूल्यों और पारदर्शिता के साथ किसी प्रकार का समझौता किए बगैर कारोबारी लक्ष्यों को पूरा करना ही आनेवाले वर्षों की प्राथमिकता है।

आपका बैंक सभी पणधारियों के मूल्य में वृद्धि करने के लिए प्रतिबद्ध है और इसके लिए वह कार्य के मामले में उच्चस्तरीय व्यावसायिक मानकों का प्रयोग करेगा पर उसकी नजर के मूल में आम आदमी होगा जिसे सर्वोत्तम बैंकिंग सुविधाएं उसकी पहुँच के अंदर उपलब्ध कराई जाएंगी।

मुझे पक्का विश्वास है कि इस अंदरूनी ताकत और क्षमता के बलबूते आपका बैंक कामयाबी की एक नई ऊँची मंज़िल को हासिल करेगा।

**आभार**

मैं इस अवसर पर निदेशक मंडल के सदस्यों, भारत सरकार एवं भारतीय रिजर्व बैंक के उनके बहुमूल्य सहयोग एवं मार्गदर्शन के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ। शेयरधारकों ने हममें जो आस्था एवं विश्वास व्यक्त किया है उसके लिए मैं सभी शेयरधारकों के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ। मैं अपने सभी ग्राहकों को उनके निरंतर सहयोग एवं समर्थन के लिए धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ। मैं इस संस्था को मजबूत एवं गुंजायमान संगठन बनाने के लिए अपने स्टॉफ सदस्यों की प्रशंसा करता हूँ तथा उनकी प्रतिबद्धता, समर्पण और मूल्यवान योगदान को अभिलेखित करता हूँ।

सादर,

आपका

स्थान : मणिपाल
दिनांक : 27-05-2010

**(बसंत सेठ)**
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

The H R Philosophy of the Bank revolves around recognition and enhancing the inherent human potential in every employee through training, updating knowledge and sharpening of skills to meet the ever changing and dynamic job requirements. Combining business goals without compromising on ethics and transparency will be the priority in the coming years.

Your bank is committed to enhancing value for all stake holders through adherence to the highest standards of professionalism in work keeping at the core of its vision the 'Aam Aadmi', for providing the best banking solutions at affordable price.

I am sure that with its inherent strength and resilience, your Bank will be able to propel itself to the next level of growth.

**ACKNOWLEDGEMENT**

I would like to take this opportunity to thank the members of the Board, the Government of India and the Reserve Bank of India for their valuable support and guidance. I thank all our shareholders for the confidence and faith they have reposed in us. I thank all our customers for their continued co-operation and support. I would also like to place on record my appreciation of the dedication, commitment and valuable contribution of our staff members in building a stronger and vibrant organization.

With regards,

Yours sincerely

Place : Manipal
Date : 27-05-2010

**(Basant Seth)**
Chairman & Managing Director